Dainik Bhaskar (Indore), 02nd June 2024, Front Page – plus 04

सीएसआर मीट 2024 • डॉ. सिवन बोले- सीएसआर नवाचार व सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए स्ट्रेटेजिक टूल

IIT जैसे संस्थान मस्तिष्क हैं और उद्योग मांसपेशियों की शक्ति की तरह

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में तीसरी इंडस्ट्री-एकेडमिक बैठक हुई। मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. के सिवन और सम्मानित अतिथि के रूप में एसबीआई के राज्य प्रमुख (मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) सीएस शर्मा उपस्थित थे। कॉन्क्लेव में सामाजिक नवाचार और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए सीएसआर को एक रणनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करने पर बात हुई।

डॉ. के सिवन ने संबोधन में प्रभावशाली परिवर्तन लाने में सीएसआर के महत्व पर जोर दिया। वहीं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उद्योगों के साथ साझेदारी करने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व या सीएसआर महज कंप्लायंस और परोपकार से आगे बढ़कर सामाजिक नवाचार और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए एक रणनीतिक उपकरण बन गया है। यह देख प्रसन्नता होती है कि आईआईटी इंदौर जैसे संस्थान समाज की भलाई के लिए शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने वाले मंच बनाने में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

मीट में शामिल अतिथि और आईआईटी बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के अध्यक्ष।

लैब में विकसित हुई तकनीक आगे तक ले जाएंगे

डॉ. सिवन ने कहा आईआईटी जैसे शैक्षणिक संस्थान मस्तिष्क हैं और उद्योग मांसपेशियों की शक्ति की तरह हैं, इसलिए इस मस्तिष्क को उपयोगी उत्पाद में कैसे बदला जाए, यह उद्योग का एक हिस्सा है।" कॉलेज की लैब में विकसित टेक्नोलॉजी को आगे तक ले जाने और उन्हें सामाजिक जरूरतों के लिए उपयोगी बनाने में उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने उद्योग-शैक्षणिक जगत की साझेदारी को बढ़ाने पर जोर दिया। आईआईटी इंदौर के डीन (एसीआर) प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय और डीन (आरएंडडी) प्रोफेसर आईए पलानी ने नए समाधानों और सामाजिक विकास को आगे बढ़ाने में इन सहयोगों के महत्व पर प्रकाश डाला। संस्थान ने अपने सीएसआर पार्टनर्स को सीएसआर अवॉर्ड 2024 भी प्रदान किए । उद्योग-शैक्षणिक समुदाय पर ध्यान केंद्रित करते हुए सीएसआर फंडिंग के लिए पूर्व और वर्तमान मानदंडों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उद्योग के लिए वर्तमान चुनौतियों और आईआईटी इंदौर से उद्योगों की अपेक्षाओं पर पैनल चर्चा की। कॉन्क्लेव में औद्योगिक प्रतिनिधि, शिक्षाविद् और समाज-सेवियों ने भी भाग लिया।